

**GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE,  
RAJNANDGAON**



**STUDENT-CENTRIC ACTIVITIES**

**2022-23**

**DEPARTMENT OF MSW**





(45)

S.No	Name	Class	Signature
1.	राजेश्वर रिश्वरी	M.S.D. 4th Sem	Polimwar
2.	विष्णु राय	M.S.D. 4th Sem	Nishu Ray
3.	नरेश्वर	M.S.D. 4th Sem	Polimwar
4.	Prachi dhairya	M.S.D. 4th Sem	Polimwar
5.	Pranika Thakur	M.S.D. 4th Sem	Polimwar
6.	Ravi Yadav	M.S.D. 4th Sem	Polimwar
7.	Rakee Devi	M.S.D. 4th Sem	Polimwar
8.	Dharmendra	M.S.D. 4th Sem	Polimwar
9.	Nagana Ansuvi	M.S.D. 4th Sem	Polimwar
10.	Shobha Ram Sahy	M.S.D. 4th Sem	Shobha
11.	Pratiksha Chandrakar	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
12.	Chitra Kantari	M.S.D. 4th Sem	Chitra
13.	Abhishek Sahy	M.S.D. 4th Sem	Abhishek
14.	Kusumbha Mandavi	M.S.D. 4th Sem	Kusumbha
15.	Kusumbha	M.S.D. 4th Sem	Kusumbha
16.	Abhay Kumar Yadav	M.S.D. 4th Sem	Abhay
17.	Pranav Kumar Sahy	M.S.D. 4th Sem	Pranav
18.	Shiv Chaudhary	M.S.D. 4th Sem	Shiv
19.	Prasanna Chaudhary	M.S.D. 4th Sem	Prasanna
20.	Pooja Deshmukh	M.S.D. 4th Sem	Pooja
21.	Kusumbha	M.S.D. 4th Sem	Kusumbha
22.	TORAN PATEL	M.S.D. 4th Sem	TORAN
23.	Tomeshwar pat	M.S.D. 4th Sem	Tomeshwar
24.	Amalmani Sahu	M.S.D. 4th Sem	Amalmani
25.	Anshu Sahu	M.S.D. 4th Sem	Anshu
26.	Pranav Chaudhary	M.S.D. 4th Sem	Pranav
27.	Sharda Madan	M.S.D. 4th Sem	Sharda
28.	REENA SAHU	M.S.D. 4th Sem	REENA
29.	Trishulwar	M.S.D. 4th Sem	Trishulwar

(46)

S.No	Name	Class	Signature
30.	Nisha Roy	M.S.D. 4th Sem	Nisha
31.	Nisha Komar	M.S.D. 4th Sem	Nisha
32.	Pratiksha Kumar	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
33.	Gudshya Kumar	M.S.D. 4th Sem	Gudshya
34.	Pratiksha	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
35.	Pratiksha	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
36.	Pratiksha	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
37.	Pratiksha	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
38.	Pratiksha	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
39.	Pratiksha	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
40.	Pratiksha	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
41.	Pratiksha	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
42.	Pratiksha	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
43.	Pratiksha	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
44.	Pratiksha	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
45.	Pratiksha	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
46.	Pratiksha	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
47.	Pratiksha	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
48.	Pratiksha	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
49.	Pratiksha	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha
50.	Pratiksha	M.S.D. 4th Sem	Pratiksha

HEAD  
DEPT. OF SOCIAL WORK  
GOVT. DURGAM AUTO PG. COLLEGE  
RAJNANDGAON (C.G.) 491441

Principal  
Govt. Durgam College  
Rajnandgaon (C.G.) 491441

Legionary  
Govt. Durgam PG. COLLEGE  
RAJNANDGAON (C.G.) 491441

PRINCIPAL  
GOVT. DURGAM PG. COLLEGE  
RAJNANDGAON (C.G.) 491441

# एक दिवसीय राज्य स्तरीय “ कौशल विकास ” कार्यशाला का आयोजन

---

दिनांक 15/03/23 को शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के द्वारा “ कौशल विकास ” विषय पर एकदिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला का आयोजन समाज कार्य एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। उक्त कार्यशाला का मार्गदर्शन शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर कै. एल. टांडेकर के द्वारा किया गया। उक्त कार्यशाला के संयोजक के रूप में समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. मंडावी तथा आयोजन सचिव के रूप में समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू द्वारा किया गया तथा इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पूनम गुलालिया को आमंत्रित किया गया, जो कि वर्तमान में वरिष्ठ एकेडमी सलाहकार, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, हैदराबाद ( तेलंगाना ) में पदस्थ है। डॉ. पूनम गुलालिया, दिल्ली



महाविद्यालय ( दिल्ली ) के समाज कार्य विभाग में प्राध्यापक के रूप में सेवा दे चुकी है ।

कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती माता को दीप प्रज्वलन कर किया गया तथा इसके पश्चात समाज कार्य और समाजशास्त्र विभाग के छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई । इस कार्यशाला में दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के द्वारा विशिष्ट अतिथि महोदय का पुष्प माला से अभिवादन किया गया । समाज कार्य विभाग की विभागअध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू द्वारा इस कार्यशाला के उद्देश्य पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए । आपने अपने उद्बोधन में यह बताया कि इस प्रकार के आयोजन का उद्देश्य क्या है समय-समय पर इस प्रकार के आयोजन करवाना न केवल विद्यार्थियों , समाज के अन्य वर्गों जैसे महिलाओं , आदिवासी आदि को भी ऐसे प्रशिक्षित कार्यक्रम की आवश्यकता है। भारत को उच्च आर्थिक वृद्धि की राह पर चलने तथा इसमें गति को बढ़ाना व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने बनाने हेतु ऐसे कार्यशाला की महत्ता पर प्रकाश डाला गया । आपने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने जुलाई 2015 में युवकों को प्रशिक्षित करने “ प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना “ की शुरुआत की थी । “ कौशल भारत कुशल भारत “ कौशल उन्नयन पर ध्यान देने की आवश्यकता है । श्रीमती ललिता साहू के द्वारा कार्यक्रम के उद्देश्यों के साथ-साथ इस कार्यक्रम की रूपरेखा पर भी प्रकाश डाला गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के द्वारा अतिथियों का अभिवादन करने के पश्चात अपने आशीर्वचन के रूप में अपने विचारों को अभिव्यक्त किया । प्राचार्य महोदय अपने उद्बोधन के माध्यम से कार्यशाला का महत्व उसके उद्देश्य को सारगर्भित तरीके से विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया । साथ ही इस प्रकार के कार्यक्रमों की हमारे

देश और हमारे समाज में इसकी महत्ता का निरूपण किया। आपने बताया कि कोरोना काल में हुई क्षति और बढ़ती बेरोजगारी को कम करने में कौशल विकास कार्यक्रम किस प्रकार से अपनी भूमिका निभा सकते हैं, साथ ही विभिन्न प्रकार के कौशल प्रशिक्षण प्रदान करते हुए रोजगार के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार कर इस समस्या का समाधान किया जा सकता है। आपने अपने उद्बोधन में यह भी बताया कि महाविद्यालय और विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात निकल रही प्रतिभा को बेरोजगारी एवं विचलन की समस्या से मुक्त करना भी हमारा नैतिक दायित्व है। सामाजिक और आर्थिक विकास को गति देने में कौशल विकास की सार्वभौमिक आवश्यकता पर प्राचार्य महोदय ने जोर दिया।

कार्यशाला की मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित, बहुमुखी प्रतिभा की धनी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, हैदराबाद (तेलंगाना) में वरिष्ठ एकेडमिक सलाहकार के रूप में पदस्थ डॉ. पूनम गुलालिया के द्वारा विद्यार्थियों को अनेक प्रकार से कौशल कला, कौशल विकास का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। आपके द्वारा प्रशिक्षण कौशल की आवश्यकता और उपयोगिता पर अपने प्रासंगिक विचारों को प्रस्तुत करते हुए रोजगार संबंधी समस्या के निदान में इसकी महत्व और आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित कार्यशाला के संबंध में डॉ. गुलालिया के द्वारा अपने अनुभव को मंच से साझा किया गया तथा अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि "युवा वर्ग ऊर्जा एवं शक्ति के प्रतीक है।" ऐसे कौशल विकास कार्यक्रमों के द्वारा इन युवा वर्ग को एक सकारात्मक दिशा दी जा सकती है तथा उसमें उद्यमशीलता को एक मंच प्रदान किया जा सकता है। छत्तीसगढ़ राज्य विविधताओं से परिपूर्ण राज्य है तथा यहां के युवा वर्ग में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के उचित दोहन से रोजगार



एवं एवं उत्पादन की दिशा में सकारात्मक परिणाम प्राप्त किया जा सकते हैं। इस हेतु भी कौशल विकास जैसे कार्यशाला अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं।

कार्यशाला के दौरान डॉ. गुलालिया के द्वारा सभी विद्यार्थियों को विभिन्न छोटे-छोटे समूह में आवंटित किया गया। इस समूह में 108 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन प्रतिभागियों को 10 समूह के अंतर्गत बांटा गया। प्रत्येक समूह में आठ आठ बच्चों को शामिल किया गया। इस समूह के द्वारा अपने ग्रुप लीडर का चयन स्वयं किया गया तथा समूह में किस प्रकार से कार्य किया जाता है, इसका कौशल प्रदान किया गया। अलग-अलग समूह में विद्यार्थियों को कुछ नियत कार्य (टास्क) दिए गए और उन्हें संपादित करने को कहा गया। सभी ग्रुप ने अपने नियत कार्य (टास्क) का संपादन किया। इस हेतु सभी ग्रुप को निश्चित समय अवधि प्रदान किया गया। निश्चित अवधि में टास्क पूरे करने के पश्चात सभी ग्रुप के द्वारा एक-एक करके अपने अनुभव एवं विचार मंच से साझा किया। जो कार्य विद्यार्थियों को दिए गए थे, उन्हें किस प्रकार से उत्तम तरीके से किया जा सकता है, उन कार्यों के परिणाम कार्यों में पाई गई त्रुटि पर कार्यशाला के अंत में चर्चा की गई तथा कार्यशाला के दौरान कार्य से संबंधित समस्या पर अपने विचारों को साझा किया। विद्यार्थियों के द्वारा इस कार्यक्रम के दौरान अपने अनुभव को भी साझा किया गया। विद्यार्थियों की समस्या का समाधान, उनकी प्रश्नोत्तरी का जवाब दिया गया। इस कार्यशाला में 108 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें रजिस्ट्रेशन दो प्रक्रियाओं ऑनलाइन और ऑफलाइन के तहत किया गया।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में सभी प्रतिभागियों को अतिथि महोदया एवं प्राचार्य महोदय द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्रतिभागी विद्यार्थियों ने भी मंच से अपने अनुभव साझा किए। विद्यार्थी अमित चौबे द्वारा कार्यशाला के

संबंध में अपने अनुभव साझा किए गए, उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला से उन्हें कौशल विकास के विभिन्न पहलुओं को जानने का मौका मिला तथा एक टीम में किस प्रकार कार्य कर सकते हैं एवं अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। इस संबंध में भी अपने विचार प्रस्तुत किए गए। अन्य विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किया तथा भविष्य में भी इस तरह के कौशल विकास कार्यक्रम के आयोजन की अपेक्षा अभिव्यक्त की। एकदिवसीय कौशल विकास कार्यशाला के दौरान विद्यार्थी ने जो ज्ञान प्राप्त किया उन सब के विषय में विद्यार्थियों ने सारगर्भित जानकारी दी।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. पूनम गुलालिया जी को शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। एकदिवसीय राज्य स्तरीय कौशल विकास कार्यशाला में मानव शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अंजली ध्रुव, वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एच.एस. भाटिया, समाज कार्य विभाग के जनभागीदारी अध्यापक श्री इकरार खान, सुश्री तारणी साहू, अंग्रेजी विभाग से डॉ. नीलू श्रीवास्तव, डॉ. अनीता साहा, डॉ. मंजरी सिंह उपस्थित रहे। मंच का संचालन डॉ. प्रियंका लोहिया (समाजशास्त्र विभाग) के द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

कार्यशाला के अंत में समाजशास्त्र विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ. ए. के. मंडावी द्वारा एकदिवसीय कौशल विकास योजना में उपस्थित सभी अध्यापकों के प्रति आभार प्रकट किया। डॉ. गुलालिया मैडम को मंच से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में उनके सहयोग व मार्गदर्शन की आशा व्यक्त की गई। डॉ. मंडावी ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में प्राचार्य को उनके सफल निर्देशन एवं कार्यशाला



में सहयोग हेतु धन्यवाद प्रेषित किया । साथ ही आपने बताया कि कौशल और ज्ञान प्राप्त कर अपने करियर की संभावनाओं को बढ़ाने में सहायता मिलती है। सरकार के द्वारा समय-समय पर भी इस प्रकार कौशल विकास हेतु अनेक योजनाओं को जारी किया जाता है तथा कौशल विकास के द्वारा आर्थिक समावेशन के साथ ही सामाजिक विभेद, जेंडर, जाति व धर्म के आधार पर असमानता को कम किया जा सकता है तथा अपनी रुचि के अनुसार कौशल प्राप्त कर उसे क्षेत्र में आगे जीवन पथ पर आगे बढ़ सकता है । कार्यशाला के दौरान उपस्थित सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी गई । भविष्य में ऐसे आयोजन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया गया । कार्यशाला का आयोजन ब्लेंडेड मोड अर्थात ऑनलाइन व ऑफलाइन में किया गया , जिसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के अतिरिक्त राज्य की विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालय के कुल 108 प्रतिभागियों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की । इस प्रकार यह एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन सफल रहा ।

# ONE DAY STATE LEVEL WORKSHOP ON

## "SKILL DEVELOPMENT"

ଅଂଶଗତ କାର୍ଯ୍ୟ ବିବରଣୀ

Date \_\_\_\_\_  
Page \_\_\_\_\_

S.N	Name of Participant	Description	Name of Institute	Registration fee	Mobile Number	Email ID
01	ବିଜୟ କୁମାର	ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ	ସିଆ. ବି. ଡି. ଡି. ଡି. ମହା. ରାଜନୀତି	online	9790461940	
02	ପିତାମହ ପାଣି	ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ	ସିଆ. ବି. ଡି. ଡି. ଡି. ମହା. ରାଜନୀତି	online		
03	କେନକରା କୋଣି	ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ	ସିଆ. ବି. ଡି. ଡି. ଡି. ମହା. ରାଜନୀତି	online	9754212102	monkocan@gmail.com
04	କିଶୋରୀ ପାଣି	ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ	ସିଆ. ବି. ଡି. ଡି. ଡି. ମହା. ରାଜନୀତି	100/-	626824586	Kusumkalyan23@gmail.com
05	ରାଜୀ ପାଣି	ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ	ସିଆ. ବି. ଡି. ଡି. ଡି. ମହା. ରାଜନୀତି	100/-	6268267914	Rajeev2005@gmail.com
06	ଆରତୀ ପାଣି	ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ	ସିଆ. ବି. ଡି. ଡି. ଡି. ମହା. ରାଜନୀତି	100/-	7888182899	Yashvardi63@gmail.com
07	ରାଜୀ ପାଣି	ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ	ସିଆ. ବି. ଡି. ଡି. ଡି. ମହା. ରାଜନୀତି	100/-	8719980799	@gemma1.1@gmail.com
08	ଆରତୀ ପାଣି	ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ	ସିଆ. ବି. ଡି. ଡି. ଡି. ମହା. ରାଜନୀତି	100/-	6267719593	
09	ରାଜୀ ପାଣି	ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ	ସିଆ. ବି. ଡି. ଡି. ଡି. ମହା. ରାଜନୀତି	100/-	7566110633	pratikpandey@gmail.com
10	ରାଜୀ ପାଣି	ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ	ସିଆ. ବି. ଡି. ଡି. ଡି. ମହା. ରାଜନୀତି	100/-	7067167660	Yashvardi63@gmail.com
11	ରାଜୀ ପାଣି	ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ	ସିଆ. ବି. ଡି. ଡି. ଡି. ମହା. ରାଜନୀତି	100/-	7000597188	Yashvardi63@gmail.com
12	ରାଜୀ ପାଣି	ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ	ସିଆ. ବି. ଡି. ଡି. ଡି. ମହା. ରାଜନୀତି	online	8889828481	
13	ରାଜୀ ପାଣି	ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ	ସିଆ. ବି. ଡି. ଡି. ଡି. ମହା. ରାଜନୀତି	online	8889828481	
14	ରାଜୀ ପାଣି	ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ	ସିଆ. ବି. ଡି. ଡି. ଡି. ମହା. ରାଜନୀତି	online	8889828481	
15	ରାଜୀ ପାଣି	ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ	ସିଆ. ବି. ଡି. ଡି. ଡି. ମହା. ରାଜନୀତି	online	9644478346	



S.N.	Name of the Applicant	Designation	Name of the Institute	Registration Fees and the / of the	mo-no-	Expiry date
16	विष्णु गोमारेड	विद्यार्थी	विद्यार्थी मंडळ	100/-	6264060507	परियोजना मे 20 @ gmail.com
17	डॉ. रवींद्र सोनी	विद्यार्थी	—	100/-	6261777722	संयोजक @ gmail.com
18	प्रसाद राजाधिम	विद्यार्थी	—	100/-	77387806377	प्रकारण 2205 @ gmail.com
19	प्राची शर्मा	—	—	100/-	8305172203	प्रकारण 2205 @ gmail.com
20	मिनाक्षी चंकाकर	—	—	100/-	6263156283	—
21	सादनाज रेड्डीकी	—	—	100/-	7722886182	—
22	निशा रोम	—	—	100/-	77879368167	—
23	अश्विनी साई	—	—	100/-	77869594501	—
24	कुसुमना मंडाकी	—	—	100/-	7723081486	—
25	सिमका काष्टे	—	—	100/-	8305460326	परियोजना मे 20 7781000000
26	धर्मोद	—	—	100/-	8839645185	—
27	आमोरा जेरे	—	महल IV सेक	100	8349711471	—
28	चेलुआम भाई	—	महल IV सेक	100	6264305406	—
29	नराम एसारी	विद्यार्थी	महल IV सेक	100/-	9131223359	परियोजना मे 20 15 @ gmail.com



Sms Number of Bankrupt Declaration	Name of Debtor	Page	Mobile No	Email id
30. सुनेश्वर साई	विद्यार्थी	106/	6263475211	Bharghavajayashankar382@gmail.com
31. श्यामसुन्दर साई	विद्यार्थी	106/	7838660957	Shyam Sunder Sahu 342@gmail.com
32. लोका ३. भाई	मध्य-II	106/online	7994123485	gauravkumar79@gmail.com
33. निशा कौशिक	M.S.W. IV SEM	106/	8770781114	
34. ओग धुले				
35. १. राजक वसु	जी. डी. म. व.	106/	7838305503	seetha486@gmail.com
36. विद्या रीत		106/	8815181486	Vibhasingh 11041999@gmail.com
37. १. राजक वसु				
38. १. राजक वसु				
39. १. राजक वसु				
40. १. राजक वसु				
41. १. राजक वसु				
42. १. राजक वसु				
43. १. राजक वसु				
44. १. राजक वसु				
45. १. राजक वसु				
46. १. राजक वसु				
47. १. राजक वसु				
48. १. राजक वसु				
49. १. राजक वसु				
50. १. राजक वसु				







GPS Map Camera

Rajnandgaon, Chhattisgarh, India

32RH+HQV, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India

Lat 21.091293°

Long 81.029511°

15/03/23 11:58 AM GMT +05:30







GPS Map Camera

Rajnandgaon, Chhattisgarh, India

32RH+HQV, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India

Lat 21.091293°

Long 81.029511°

15/03/23 12:01 PM GMT +05:30





# कौशल विकास पर राज्य स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित



पायनियर संवाददाता < राजनांदगांव  
[www.dailypioneer.com](http://www.dailypioneer.com)

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 'कौशल विकास' विषय पर राज्य स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पूनम गुलालिया को आमंत्रित किया गया, जो वर्तमान में वरिष्ठ एकेडमिक सलाहकार, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद हैदराबाद तेलंगाना में पदस्थ हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. टांडेकर के द्वारा की गई। कार्यशाला के आयोजन सचिव श्रीमती ललिता साहू ने कार्यशाला की रूपरेखा व उद्देश्य के

संबंध में विचार रखें। प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान भारत ÷ कौशल भारत कुशल भारत ÷ का है। डॉ. पूनम गुलालिया द्वारा समस्त विद्यार्थियों को छोटे-छोटे समूहों में बांट कर कुछ उनकी कौशल क्षमता का निरीक्षण किया गया तथा उन समूहों को मंच में अपने अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान किया गया। कार्यक्रम के समापन में विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के समन्वयक डॉ. ए.के. मंडावी के द्वारा किया गया। उक्त कार्यशाला में राज्य के विभिन्न विद्यार्थियों ने प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित हुए। उक्त कार्यक्रम में डॉ. एच.एस. भाटिया, डॉ. अंजली ध्रुव, डॉ. प्रियंका लोहिया, सुश्री तारिणी साहू एवं इकरार खान उपस्थित रहे।